RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : बुधवार 13 मार्च 2024 | वर्ष 05 | अंक 321 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक

रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई में 273 करोड़ रुपये खर्च के बावजूद सड़कों पर गड्ढे...

मुंबई: एक योजना प्राधिकरण के रूप में नागरिकों को अच्छी सड़कें और फुटपाथ प्रदान करना मुंबई नगर निगम का कर्तव्य है। हालांकि, हाई कोर्ट ने सोमवार को इस बात पर हैरानी जताई कि गड्ढों की मरम्मत पर हर साल 273 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद सड़कों की हालत जस की तस बनी हुई है। उधर, सड़कों को कंक्रीट करने के बाद नगर निगम ने दावा किया है कि अगले दस साल तक सड़कों पर गड्ढों की समस्या नहीं झेलनी पड़ेगी।

गड्ढों की समस्या को लेकर याचिका कई वर्षों से लंबित है. साथ ही मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने बताया कि सड़क पर हर गड्ढे या उससे होने वाली दुर्घटनाओं पर नजर रखना अदालत के लिए मुश्किल है. साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि इस समस्या पर ठोस कदम उठाना जरूरी है और यह नगर निगम की जिम्मेदारी है.

उससे पहले सड़क की समस्या को दूर करने के लिए मुंबई की सभी सड़कों पर कंक्रीटिंग का काम चल रहा है. नगर निगम की ओर से वरिष्ठ वकील अनिल साखरे और वकील जोएल कार्लोस ने दावा किया कि सड़कों की कंक्रीटिंग के बाद अगले दस साल तक गड्ढों की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा. मुंबई की कुल 2050 किमी सड़कों में से 1,224 किमी सड़कें कंक्रीट की हो चुकी हैं और 356 किमी सड़कें निमार्णाधीन हैं। नगर निगम की ओर से कोर्ट को यह भी बताया गया कि काम संतोषजनक नहीं होने के कारण 389 किमी सड़कों का ठेका रद्द कर दिया गया और नया टेंडर जारी किया गया. नगर निगम ने यह भी दावा किया कि कंक्रीटीकरण का काम प्रगति पर है और तय समय में पूरा कर लिया जाएगा. साखरे ने इस आरोप का खंडन किया कि मुंबई में केवल पांच प्रतिशत सड़कें ही कंक्रीट की बनी हैं।

ठोस कदम उठाना नगर निगम की जिम्मेदारी - हाई कोर्ट

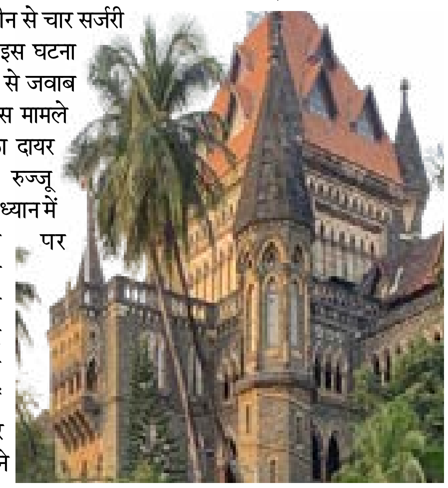

एक 35 वर्षीय बाइक सवार को पंद्रह फुट गहरी खाई में गिरने से गंभीर चोटें आईं और उसे तीन से चार सर्जरी करानी पड़ीं. कोर्ट ने इस घटना को लेकर नगर निगम से जवाब मांगा था. हालाँकि, इस मामले में अवमानना याचिका दायर करने वाले वकील रुज्जू ठक्कर ने अदालत के ध्यान में लाया कि जिस सड़क पर दोपहिया वाहन दुर्घटना हुई, वह नौसेना के अधिकार क्षेत्र में है। इसके अलावा मलाड में एक स्कूल के बाहर का नाला खुला होने से पैदल चलने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.

मां ने बेटी की गला दबाकर की बेरहमी से हत्या, फैली सनसनी...

मुंबई : मुंबई में एक महिला ने गुस्से में आकर अपनी बेटी का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी. इससे पहले मां-बेटी के बीच विवाद हो रहा था. दोनों के बीच बहस चल रही थी. इसी दौराम महिला ने आपा खो दिया और अपनी बेटी का गला दबाकर उसे मार डाला. पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है. मुंबई पुलिस ने इस हत्याकांड के बारे में पीटीआई को जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया कि यह मामला निर्मल नगर पुलिस थाना क्षेत्र का है. जहां एक महिला ने पश्चिमी उपनगर बांद्रा में अपने घर पर बहस के बाद अपनी 19 वर्षीय बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। निर्मल नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने इस मामले में आगे बताया कि सोमवार को 40 वर्षीय टीना बागड़े को अपनी बेटी भूमिका की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है.

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर आघाडी-महायुति में फंसा पेंच आंबेडकर ने कांग्रेस को दिया ऑफर?

मुंबई: महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों के बंटवारे को लेकर महायुति और महा आघाड़ी के बीच उलझन सुलझ नहीं पा रही है। बीजेपी गठबंधन के घटक सीएम शिंदे और डीसीएम अजित पवार दिल्ली दरबार में उपस्थित दर्ज कराकर भी आए लेकिन फाइनल नहीं हुआ कि कौन कितनी सीट पर लड़ेगा ? वहीं महाराष्ट्र कांग्रेस, उद्धव सेना और शरद पवार की पार्टी के बीच सीट बंटवारे पर पेंच फंसा है। मंगलवार को वंचित आघाडी के प्रकाश आंबेडकर ने पोल खोल कर रख दी। उन्होंने कहा कि राज्य की कुल 48 सीटों में से 10 सीटों पर मामला नहीं सुलझ रहा है।

घटक दलों के बीच रस्साकशी है। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक पत्र लिखा है कि आप हमारे साथ गठबंधन कर चुनाव में उतरें। आंबेडकर ने कांग्रेस के सामने प्रस्ताव रखा है कि वंचित बहुजन आघाड़ी और कांग्रेस को सीट बंटवारे पर मिलकर चर्चा करनी चाहिए। एनडीए गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर एक बैठक दिल्ली में हो चुकी है जिसमें बीजेपी से देवेंद्र फडणवीस, शिंदे सेना से सीएम शिंदे और एनसीपी से अजित पवार शामिल थे लेकिन अंतिम निर्णय नहीं हो सका। उस बताया गया कि सोमवार को फिर से ये सभी दिल्ली में मिलेंगे और सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला लेंगे लेकिन वह बैठक ही नहीं हुई। अब बताया जा रहा है कि गुरुवार को फिर ये सभी दिल्ली जाएंगे और सीटों बंटवारे के उलझन को सुलझाएंगे।

कांग्रेस और उद्धव सेना के बीच सहमति की कमी

अंबेडकर का कहना है कि कांग्रेस और उद्धव सेना के बीच सहमति की कमी, और एमवीए में सीट-बंटवारे के फॉम्युले को अंतिम रूप नहीं दिए जाने पर, मैंने आलाकमान से संपर्क करने का फैसला किया। उद्धव सेना 18 सीटों पर अड़ी हुई है, जिन पर अविभाजित शिवसेना ने जीत हासिल की थी। चेन्निथला की गठबंधन को लेकर चिंता को समझते हुए मैंने प्रस्ताव रखा कि वंचित बहुजन आघाडी और कांग्रेस को उन सभी सीटों पर एक साथ बैठकर चर्चा करनी चाहिए।

प्रकाश अंबेडकर ने खोल दी पोल

इंडिया के गठबंधन में शामिल वंचित आघाडी के प्रकाश अंबेडकर ने कांग्रेस, उद्धव सेना और शरद पवार के बीच क्या चल रही है इसकी पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उद्धव सेना के बीच के 10 सीटों और कांग्रेस, उद्धव सेना और शरद पवार की एनसीपी के बीच 5 सीटों पर सहमति बन पा रही रही है। इसलिए महाविकास आघाडी सीट बंटवारे के अंतिम मंजिल तक नहीं पहुंच पा रही है। अंबेडकर ने कहा कि 10 मार्च को मैंने मल्लिकार्जुन खड़गे को एक पत्र लिखा था, जिसमें रमेश चेन्निथला और मेरे बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत पर प्रकाश डाला था।

राज ठाकरे की पार्टी मनसे को बड़ा झटका... 'साहेब मुझे माफ कर दो', इस अंदाज में नेता ने दिया इस्तीफा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव से पहले राज ठाकरे की पार्टी मनसे को बड़ा झटका लगा है. पार्टी एक फायरब्रांड नेता ने इस्तीफा दे दिया है. वसंत मोरे ने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया से दी. उन्होंने एक पोस्ट में लिखा कि, 'साहेब मुझे माफ कर दो'. वो मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे की तस्वीर के आगे हाथ जोड़कर उनसे माफी मांगते हुए कई तस्वीरें शेयर की है.

वसंत मोरे का इस्तीफा

वसंत मोरे ने बड़ा फैसला लेते हुए प्राथमिक सदस्य और अन्य सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है. ऐसी अफवाहें थीं कि वसंत मोरे पिछले कुछ महीनों से पार्टी के कुछ वरिष्ठों से नाराज थे. इसमें उन्होंने कई शंकाएं भी व्यक्त कीं. उन्होंने आज सुबह कहा, 'एक सीमा से अधिक कष्ट सहने के बाद इंसान बहुत शांत हो जाता है. उसके बाद न तो मैं किसी से शिकायत करता हूं और न ही किसी से उम्मीद करता हूं'. कुछ ही घंटों में उन्होंने एमएनएस से इस्तीफा दे दिया.

मोरे ने इस्तीफे में क्या लिखा?

मोरे ने अपने इस्तीफे में लिखा, 'मैं पार्टी की स्थापना के बाद से (वास्तव में उससे पहले भी) पार्टी सदस्य के रूप में और अन्य पदों पर कार्य करते हुए मुझे दी गई जिम्मेदारियों और जनादेशों को पूरा करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं. मैं पार्टी संगठन के विकास के लिए पिछले 18 वर्षों से पुणे शहर और महाराष्ट्र में महासचिव के रूप में काम कर रहा हूं, लेकिन हाल ही में पुणे शहर के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा मेरे खिलाफ पार्टी के भीतर की गई गंदी राजनीति और सवालिया निशान पार्टी के प्रति मेरी निष्ठा मेरे लिए बहुत कष्टदायक है. इसलिए आज मैं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्राथमिक सदस्यता सहित सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं.'

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

चुनावी बॉन्ड...

चुनावी बॉन्ड का ब्योरा देने के लिए और समय मांग रहे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का अनुरोध खारिज करके सर्वोच्च न्यायालय ने सही कदम उठाया है। चुनावी बॉन्ड जारी करने की जिम्मेदारी सरकारी क्षेत्र के बैंक एसबीआई की ही है और बैंक ने 12 अप्रैल, 2019 से 15 फरवरी, 2024 के बीच खरीदे गए बॉन्ड के विवरण के खुलासे के लिए 30 जून तक का समय मांगा था। एसबीआई के आवेदन और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, कॉमन कॉज और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की तरफ से दाखिल न्यायालय की अवमानना की याचिका पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने बैंक को अब 12 मार्च तक चुनावी बॉन्ड की जानकारी चुनाव आयोग को देने का समय दिया है और चुनाव आयोग को इसे 15 मार्च शाम 5 बजे तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करना होगा। हालांकि सर्वोच्च अदालत ने अवमानना की कार्यवाही शुरू करने से इनकार कर दिया, लेकिन चेतावनी भी दी है कि अगर बैंक उसके नवीनतम आदेश का पालन नहीं करता तो यह कार्यवाही शुरू की जा सकती है। एसबीआई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को इस बारे में एक हलफनामा भी जमा करना होगा कि बैंक ने न्यायालय के फैसले का पालन कर दिया है। गत 15 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक घोषित किया था, अब इससे एक महीने से भी कम समय में इस फैसले के साथ पांच न्यायाधीशों के पीठ ने न्यायालय के आदेशों का पालन करने के अहम सिद्धांत को रेखांकित किया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पहले 6 मार्च की समयसीमा तय की थी, लेकिन इसके दो दिन पहले ही इसे बढ़ाने के अनुरोध के साथ आवेदन किया गया, वह भी बैंक के एक सहायक महाप्रबंधक के द्वारा। एसबीआई के वकील ने देरी के लिए सफाई दी कि दानदाताओं का विवरण और बॉन्ड भुनाने का विवरण हासिल करना चुनौतीपूर्ण है, जो अलग-अलग गोपनीय खातों के तहत दर्ज किए गए थे, उनमें से कुछ डिजिटल के बजाय भौतिक रूप में थे। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायालय ने एसबीआई से यह नहीं कहा था कि वह इस बात का 'मिलान' करे कि किस दानदाता ने किस दल को कितना चंदा दिया है। अपने 15 फरवरी के फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने दो तरह की जानकारी मांगी थी। पहली यह है कि बॉन्ड की खरीद किसने की, कब हुई और किस मूल्यवर्ग में हुई और दूसरी यह है कि राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए बॉन्डों का ब्योरा क्या है, जैसे कि उन्होंने किस तारीख को नकदी हासिल की और किस मूल्यवर्ग में? लेकिन ऐसा लग रहा है कि एसबीआई ने इसकी व्याख्या इस तरह से की कि उसे क्रेता के ब्योरे को राजनीतिक दलों के साथ मिलान करना है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि एसबीआई के पास खरीदारों का 'अपने ग्राहक को जानें' वाला ब्योरा है और उसने अपने आवेदन में कहा भी है कि बॉन्ड की खरीद का ब्योरा मुख्य शाखा में एक सीलबंद कवर में रखा गया है। इसलिए उन्होंने तर्क दिया कि बैंक को बस इतना करना था कि इस सीलबंद कवर को खोलें, नामों का मिलान करें और उसमें जो भी ब्योरा पहले से मौजूद है उसे पेश करें। अपने ' संक्षिप्त आदेश' में पीठ ने इस बात की ओर भी संकेत किया कि हर राजनीतिक दल देश के 29 निर्धारित बैंकों में ही केवल एक चालू खाता खोल सकता है। इसलिए यह जानकारी आसानी से हासिल की जा सकती है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

राइट टू रीकाल पार्टी ने ईवीएम हटाओ देश बचाओ की मांग

वीवीपेट के काले कांच के पीछे से कैसे मतदान चिन्हों के पेपर स्लिप की चोरी होती है...

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) जैसे जैसे आगामी लोकसभा चुनावों की तारीके नजदीक आती जा रही है। वैसे ही केंद्र और राज्य की बीजेपी सत्ताधारी सरकार समेत साहियोगी पार्टियों की दिन ब दिन मुसीबत बढ़ती जा रही है । वहीं आज मुंबई प्रेस क्लब मे ६६६. एप्लंइंङ्ङ्के की ओर से आयोजित प्रेस कांफ्रेंस मे ईवीएम का वीवीपेट मे किस प्रकार धांधली की जा सकती है। इसका लाइव डेमो प्रेस क्लब मे उपस्थित बुधजीवि वर्ग समेत प्रेस कांफ्रेंस कवर करने पहुंचे बड़ी संख्या मे पत्रकारों को देखने को मिला । कहा जाता है की वीवीपेट काँच के पीछे से स्लिप कैसे बदली होती है। इसका लाइव डेमो देखने को मिला।

मुंबई प्रेस क्लब मे आयोजित कांफ्रेंस के आयोजक राइट टू रीकाल पार्टी के संस्थापक अधक्ष राहुल चिमन मेहता ने वीवीपेट कागज और ईलेक्ट्रॉनिक मशीन और उसके भीतर के कागज की किस प्रकार चोरी हो सकती है। इसका लाइव नमुना देश भर की जनता के समक्ष मुंबई प्रेस क्लब मे सामुख दिखाया। गौरतलब हो की ईवीएम का आज तक बचाव वीवीपेट करती थी। वहीं आज तक लोग ईवीएम हैक होने की बाते करते थे। परंतु दूसरी ओर आज दो तरीको से ईवीएम मे धांधली कैसे कर सकते है यह लोगों को देखने और सुनने को मिला। जिसमें वीवीपेट के काले कांच के पीछे से कैसे मतदान चिन्हों के पेपर स्लिप की चोरी होती है। यह दिखाने के बाद वीवीपेट संदेय के घेरे मे आचुकी है। ऐसी संदेयस्पद हालत मे भला कैसे कोई निष्पक्ष चुनावों की कोई कल्पना कर सकता है । परिणाम स्वरूप आगामी लोकसभा चुनावो 2024 के होने वाले चुनावों को देखते हुए चुनावों आयोग बैलेट पेपर से एक सटीक विकल्प के तौर पर हर के मतदान केंद्र मे चुनावों करवाने के लिए रखना चाहिए ईवीएम मतदान केंद्रो मे रखना या न रखना यह सत्ताधारी केंद्र की मोदी सरकार पर निर्भर करता है। वहीं ईवीएम पूरी तरीके से रद्द करने को लेकर राइट टू रीकाल पार्टी का पुरा समर्थन है।

स्वाभिमानी चर्मोद्योग कामगार संस्था के कार्यकताओं ने शिंदे गुट में किया प्रवेश

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) स्वाभिमानी चर्म उद्योग कामगार संस्था संस्था के १५० पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने शिव सेना पार्टी में प्रवेश किया. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के वर्षा आवास पर स्वाभिमानी चर्मोद्योग कामगार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रवीन्द्र पांडुरंग जाधव, महासचिव भगवान सखाराम नारकर,मुख्य संघटक गणेश मधुकर अहिरे,कोषाध्यक्ष त्रिम्बक वाल्मीक सुरंजे समेत अन्य कार्यकताओं ने पार्टी में प्रवेश किया। बता दे की चर्मकारों की यह मुंबई की सबसे बड़ी संस्था है जिसमें हजारों सदस्य हैं।

शिंदे खेमे , 13, एनसीपी को 4 और बीजेपी को 31 सीटें

मुंबई: एकनाथ शिंदे खेमे के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि शिवसेना महाराष्ट्र में अपने पार्टी चिन्ह पर 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और बदले में भाजपा मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से पांच पर चुनाव लड़ेगी। शिंदे सेना ने उत्तर-पश्चिम मुंबई संसदीय सीट के बदले में ठाणे सीट को चुना है।' महायुति गठबंधन एक समझौते पर पहुंच गया है, जिसमें भाजपा 31 सीटों पर, सेना 13 सीटों पर और अजीत पवार की एनसी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

ढाणेकर त्रस्त मौसम की मार गाल फूली रोग से... विशेषज्ञों की राय, मुख करें साफ; घर पर करें आराम

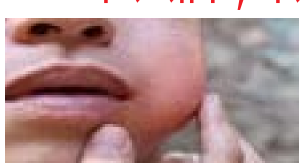

ठाणे : मौसम में बदलाव के चलते विषाणु जनित बिमारियों का फैलाव तेजी से हो रहा है। छोटे बच्चों से लेकर युवकों और बुजुर्गों में गाल फूलने वाली बिमारी का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा रोगियों को घर में एक दूसरे से निश्चित दूरी बनाकर रहने और मुंह हमेशा साफ रखने की सलाह दी गई है। सुबह को ठंड और दिन में तेज धूप जैसे मौसम का सामना ठाणेकरों को करना पड़ रहा है। इसकी वजह से सर्दी, खांसी, बुखार, आंखें लाल और गाल फूलने जैसी बीमारियों से लोग त्रस्त हो रहे हैं। मौसम जनित उक्त बीमारियों से पीड़ित बड़ी संख्या में मरीज सिविल अस्पताल आने लगे हैं। जिला शल्य चिकीत्सक डॉ. कैलास पवार, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगडे के मार्गदर्शन में उनका उचित इलाज किया जा रहा है, यह जानकारी बालरोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश बोरुलकर ने दी है। उन्होंने बताया कि गाल फूलने वाली बिमारी का प्राथमिक लक्षण सर्दी, खांसी, बुखार है। गाल फूली बीमारी से ग्रस्त रोगियों को एक दूसरे से अलग रहने, घर पर आराम करने, मुंह हमेशा साफ रखने, पतला आहार लेने, ज्यादा से ज्यादा फलों का सेवन करने, विशेषज्ञ डाक्टरों से सलाह और उपचार लेने तथा 12 से 14 वर्ष की उम्र वाले बच्चों का टीकाकरण करने की सलाह दी जा रही है। इसके विषाणु णु बात बात करते, खांसते तथा छींकते समय एक दूसरे के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इस लिए बाहर निकलते समय विशेषज्ञों की राय, मुख करें साफ, घर पर करें आराम मास्क लगाना जरूरी हो जाता है।

मुंबई में पवई झील के बाहर दिखा मगरमच्छ, लोगों में दहशत... पुलिस अलर्ट

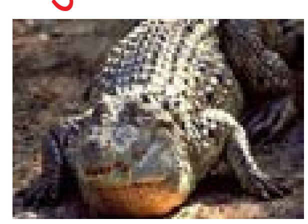

मुंबई: एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुंबई के पूर्वी हिस्से में पवई झील के बाहर एक मगरमच्छ देखा गया, जिससे जलाशय के पास से गुजरने वाले कुछ लोगों में दहशत फैल गई. उन्होंने कहा, इसे रविवार रात देखा गया, जिसके बाद पुलिस नियंत्रण कक्ष को सतर्क कर दिया गया. चूंकि भीड़ जमा हो गई थी इसलिए रॉ (रेस्किंक एसोसिएशन फॉर वाइल्डलाइफ वेलफेयर) के कर्मियों के साथ वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची. उन्होंने कहा, मगरमच्छ जल्द ही अपने आप झील में चला गया. मगरमच्छ शायद अंडे देने के लिए जगह देख रहा था. रॉ पदाधिकारी पवन शर्मा ने कहा, हम इलाके पर नजर रख रहे हैं. महाराष्ट्र के आसपास के इलाकों में इससे पहले भी मगरमच्छ देखे जा चुके हैं. पिछले साल अक्टूबर के महीने में सुबह करीब साढ़े पांच बजे दादर में बीएमसी द्वारा संचालित स्विमिंग पूल में एक सफाई कर्मचारी को दो फीट लंबा मगरमच्छ का बच्चा मिला था. यह घटना महात्मा गांधी जलतरन तालाब के नियमित निरीक्षण के दौरान हुई, जो एक ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल है. बीएमसी ने एक बयान में कहा था कि विशेषज्ञों की सहायता से मगरमच्छ के बच्चे को बचा लिया गया है. इसके अलावा, रैपटाइल को उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ दिया गया. उप नगर आयुक्त किशोर गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि मगरमच्छ स्विमिंग पूल में कैसे पहुंचा. निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी.

कालवा हॉस्पिटल के प्रवेश द्वार के बाहर तक मरीजों की कतार

ठाणे: सप्ताह के पहले दिन यानी सोमवार को नगर निगम के कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के बा' रोगी विभाग में जांच के लिए आए मरीजों की कतारें अस्पताल के प्रवेश द्वार के बाहर तक देखी गईं. बा' रोगी विभाग में प्रतिदिन लगभग 2000 मरीज आते हैं। लेकिन सोमवार को 2 हजार 800 मरीज जांच के लिए आये. प्रशासन का दावा है कि पिछले सप्ताह दो दिन शुक्रवार और रविवार को छुट्टियों के कारण बा' रोगी वार्ड बंद होने के कारण मरीजों की कतारें बढ़ गई हैं। कलवा में नगर निगम का छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल है। इस अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं और साफ-सफाई को लेकर नागरिकों की ओर से शिकायतें आ रही थीं. इस पर संज्ञान लेते हुए ठाणे मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर ने अस्पताल का ठेकेदार बदल दिया और सफाई व्यवस्था में बदलाव किया. साथ ही उन्होंने इस बात पर भी फोकस किया है कि अस्पताल में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं कैसे मिलें. इस अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों की भर्ती के अलावा, अस्पताल की बिस्तर क्षमता को पांच सौ से एक हजार तक बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं। वहीं सप्ताह के पहले दिन यानी सोमवार को बा' रोगी विभाग में जांच कराने आये मरीजों की कतारें अस्पताल के प्रवेश द्वार तक पहुंचती दिखीं.

कलवा अस्पताल के बा' रोगी वार्ड में हर दिन लगभग 1500 मरीज जांच के लिए आते थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों से इन मरीजों की संख्या बढ़ी है और हर दिन करीब दो हजार मरीज जांच के लिए आ रहे हैं. अस्पताल में केस पेपर जमा करने का समय सुबह 8.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक है, जबकि आउट पेशेंट वार्ड सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुला रहता है। साथ ही औषधि कक्ष सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक खुला रहता है. इन सभी जगहों पर सोमवार को मरीजों की लंबी कतारें लगी रहीं. करीब 2800 मरीज जांच के लिए आये. इससे अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर सड़क पर मरीजों की कतार लग गयी. पिछले सप्ताह शुक्रवार को महाशिवरात्रि की छुट्टी थी। इस दिन बा' रोगी विभाग बंद था। यह कक्ष शनिवार को शुरू हुआ। उस दिन 1900 मरीज जांच के लिए आये. रविवार को बा' रोगी विभाग फिर से बंद होने के कारण सोमवार को अस्पताल के बाहर मरीजों की कतारें बढ़ गईं।

प्रदूषण रोकने के लिए एसटी निगम की पहल...
पालघर में चलेंगी एलएनजी बसें

वसई: प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अब राज्य परिवहन बोर्ड ने भी पहल की है और अपनी बसें तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) पर चलाने का फैसला किया है। पहले चरण में पालघर जिले में 300 बसें एलएनजी पर चलेंगी। पायलट आधार पर 5 बसों को एलएनजी में परिवर्तित करने के लिए भेजा गया है। पालघर जिले में, निगम के पास वसई, अनार्ला, नालासोपारा, बोईसर, दहानू, सफाले, जव्हार, पालघर नामक आठ आगार हैं। इस डिपो से ग्रामीण, शहरी और अन्य लंबी और मध्यम दूरी की ट्रेनें निकलती हैं। सभी डिपो में कुल 435 एसटी बसें हैं। प्रति दिन लगभग 390 बसें निकलती हैं। बड़ी संख्या में यात्री ऐसा करते हैं. अब एसटी बसें डीजल ईंधन से चलती हैं। एसटी ट्रेनें आम तौर पर प्रति दिन 25 हजार लीटर से अधिक ईंधन (डीजल) की खपत करती हैं। यानी प्रतिदिन 22 से 23 लाख रुपये ईंधन पर खर्च करना होगा. दूसरी ओर, चूंकि कई कारें पुरानी होती हैं, इसलिए उनसे भारी मात्रा में काला धुआं निकलता है, जो प्रदूषण का कारण बनता है। इस प्रदूषण को कम करने के लिए राज्य परिवहन निगम ने पहल की है. इसके एक हिस्से के रूप में, डीजल बसों को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) वैकल्पिक ईंधन वाहनों में बदलने का निर्णय लिया गया है। पालघर जिले में इसके लिए प्रयास भी शुरू हो गए हैं. प्रारंभ में, प्रायोगिक आधार पर, एलएनजी रूपांतरण के लिए पालघर डिवीजन से 5 डीजल ईंधन बसें दी गई हैं, मंडल नियंत्रक राजेंद्र जगताप ने जानकारी दी है। इसके बाद 300 डीजल बसों को एलएनजी में बदला जाएगा। जगताप ने यह भी कहा है कि डीजल के बजाय एलएनजी ईंधन के उपयोग से प्रदूषण कम करने और ईंधन लागत बचाने में मदद मिलेगी। वसई विरार नगर निगम की ई-बसों में देरी हालांकि, वसई विरार नगर निगम की इलेक्ट्रिक बसों के लिए अभी कुछ महीने और इंतजार करना होगा। नगर पालिका कुल 81 करोड़ 29 लाख रुपये की लागत से कुल 57 इलेक्ट्रिक बसें खरीदेगी। पहले चरण में 40 बसें चलाई जाएंगी। लेकिन बस खरीद प्रक्रिया रुकी हुई है. बताया गया कि बस टेंडर प्रक्रिया चल रही है और इसमें 7 महीने की देरी होगी.

घर की कीमतों में 'इतनी' की कटौती करने का म्हाडा का फैसला बाल्कम के 68 विजेताओं के लिए एक राहत है

मुंबई: म्हाडा प्राधिकरण ने आखिरकार म्हाडा के कोंकण मंडल के 2018 लॉट में बाल्कम परियोजना संख्या 276 में आवास योजना के 68 लाभार्थियों को राहत दी है। बाल्कम में मध्यम श्रेणी के घरों की कीमत 5 लाख 41 हजार 284 रुपये कम हो गई है. इस संबंध में प्रस्ताव को पिछले सप्ताह हुई म्हाडा प्राधिकरण की बैठक में मंजूरी दी गई थी। ऐसे में अब इन 68 लाभार्थियों को बाल्कम में मकान के लिए 54 लाख 33 हजार 516 रुपये चुकाने होंगे. हालांकि म्हाडा ने 68 लाभार्थियों को राहत दी है, लेकिन उसी योजना के 125 लाभार्थियों की घर की कीमतें कम करने की मांग को अनसुना कर दिया है। इन विजेताओं को कोई राहत नहीं दी गई है. कोंकण बोर्ड द्वारा 2018 में 9018 घरों के लिए लॉटरी आयोजित की गई थी। इस ड्रा में बालकम होम योजना में संकेत नंबर 276 के तहत 184 मकानों को शामिल किया गया। ये घर मध्यम वर्ग के लिए थे. महत्वपूर्ण बात यह है कि 194 घरों में से 125 घर लॉटरी आवेदकों के लिए थे जबकि शेष 69 घर कोंकण मंडल के पुराने लाभार्थियों के लिए थे। कोंकण मंडल ने 2000 और 2002 से 2006 के बीच विज्ञापन देकर मकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए। इसके लिए 76 आवेदन जमा किये गये थे. इनमें से 69 आवेदक उत्तीर्ण हुए। लेकिन म्हाडा ने वास्तव में पात्र आवेदकों को बाल्कम में घर उपलब्ध नहीं कराए। अंततः इन लाभार्थियों को 2018 के ड्रा के क्लू नंबर 276 में शामिल किया गया। बाल्कुम के इन मकानों के लिए बोर्ड ने लॉटरी में विक्रय मूल्य 43 लाख 45 हजार 236 रुपए तय किया। लेकिन 2022 में बोर्ड ने अचानक इन घरों की कीमत सीधे 16 लाख बढ़ा दी. लिहाजा, मकानों की कीमत सीधे 59 लाख 74 हजार 800 रुपये तक पहुंच गई. इसको लेकर विजेताओं ने नाराजगी जताते हुए कोर्ट से गुहार लगाई. जब मामला लंबित था, कोंकण मंडल ने पुराने 69 लाभार्थियों के लिए घर की कीमतें कम करने का फैसला किया। पिछले हफ्ते की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई. म्हाडा ने आखिरकार 68 विजेताओं को राहत देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। 69 लाभार्थियों में से एक ने आवास अस्वीकृत कर दिया, अब 68 लाभार्थियों को 54 लाख 33 हजार 516 रुपये की लागत से आवास वितरित किये जायेंगे।

धारावी में 18 मार्च से होगा घरों अथवा दुकानों का सर्वे...

मुंबई : धारावी का विकास करने में जुटी अदानी समूह की और से 18 मार्च से घरों अथवा दुकानों का सर्वे किया जाएगा। धारावी का विकास करने के लिए महाराष्ट्र सरकार एवं अदानी समूह के संयुक्त रूप से किया जा रहा है, जिसका नाम एमडीआरपीपीएल रखा गया है। समूह की ओर से जानकारी दी गई कि धारावी में अनौपचारिक तौर पर रह रहे लाखों निवासियों का डेटा जानकारी एकत्र करने के लिए यह सर्वे शुरू होगा। राज्य सरकार यह डेटा, प्रस्तावित रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत उनके पुनर्वास के लिए योग्यता का मापदंड निर्धारित करने में उपयोग करेगी। सर्वेक्षण में पहली बार एक 'डिजिटल धारावी' भी बनाई जाएगी, जो दुनिया की सबसे बड़ी झोपड़ पट्टी के विकास की लाइब्रेरी होगी। बता दे कि धारावी को मुंबई के अंदर ही एक आधुनिक शहर, वैश्विक स्तर के टाउनशिप में परिवर्तित करने की शुरूआत है। एमडीआरपीपीएल ने धारावी निवासियों को इस कार्य में समर्थन देने का अनुरोध किया है। एमडीआरपीपीएल ने कहा है कि सर्वेक्षण उनके सपनों का घर दिलाने में कारगर साबित होगा।

ठाणे शहर के नितिन कंपनी चौक पर सिग्नल स्थायी रूप से चालू...

ठाणे : ठाणे शहर के बेहद भीड़भाड़ वाले नितिन कंपनी चौक पर सिग्नल सिस्टम पीक आवर्स यानी सुबह और शाम को छोड़कर स्थायी रूप से चालू हो गया है. पुलिस का कहना है कि इस सिग्नल सिस्टम की वजह से दिन में अनियंत्रित ट्रैफिक पर रोक लगी है. पिछले कई वर्षों से इस चौराहे पर सिग्नल व्यवस्था प्रायोगिक तौर पर शुरू की जा रही थी। लेकिन इस पर कोई निर्णय न हो पाने के कारण कुछ ही दिनों में इस व्यवस्था को बंद करना पड़ा।

ठाणे शहर में ईस्टर्न एक्सप्रेसवे पर तीन हाट नाका, नितिन कंपनी और कैडबरी जंक्शन महत्वपूर्ण तीन चौराहे हैं। इनमें से तीन क्रॉसिंग और कैडबरी जंक्शन के चौराहे पर सिग्नल प्रणाली चालू है। इस मार्ग से नितिन कंपनी चौकाला हाईवे सहित कुल चार अन्य सड़कें जुड़ी हुई हैं। लेकिन ये सड़कें संकरी हैं. इसके चलते रात और सुबह के समय सड़क पर भीषण जाम लग जाता है। कई पैदल यात्री यहां से सड़क पार करने की कोशिश करते हैं। नगर निगम ने यहां चौराहे पर सिग्नल लगा दिया है। यह सिग्नल सक्रिय नहीं है. इसलिए, चौराहे पर यातायात की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए चौराहे पर पुलिसकर्मी और यातायात सहायक तैनात रहते हैं।

राहुल गांधी की सुरक्षा की चिंता;
पार्टी के नेताओं ने की डीजीपी रश्मि शुक्ला से मुलाकात...

मुंबई : कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। मणिपुर से 14 जनवरी को इस यात्रा की शुरूआत की गई थी और 17 मार्च को मुंबई में इसका समापन होगा। महाराष्ट्र में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पार्टी के नेता विजय वडेट्टीवार, बालासाहेब थोरात और वर्षा गायकवाड ने आज राज्य की डीजीपी रश्मि शुक्ला से मुलाकात की।

महाराष्ट्र हाईवे भयावह, लुटेरों ने गोली मारकर घायल

नागपुर: बुलढाणा जिले के शेगांव से 35 तीर्थयात्रियों को नागपुर ले जा रहे एक मिनीबस चालक ने राजमार्ग पर अपहताओं को चकमा देने में असाधारण साहस का परिचय दिया और रविवार देर रात बांह में गोली लगने के बाद भी 30 किमी तक गाड़ी चलाकर, खून बहता हुआ और थका हुआ पुलिस स्टेशन पहुंचा। .खोमदेव कवाडे ने अमरावती-नागपुर राजमार्ग पर बस का पीछा कर रहे कार सवार गिरोह की गोलियों की बौछार के सामने धैर्य बनाए रखा।

पॉर्न सीरीज मामला: अभिनेत्रियों के अश्लील फिल्म के मामले में क्राइम ब्रांच ने नियाजअली को किया गिरफ्तार

5 और युवतियां शिकायत दर्ज कराने आई सामने

वसई: अभिनेत्रियों के अश्लील फिल्म के मामले में क्राइम ब्रांच ने सरगना नियाज अली को गिरफ्तार कर लिया है. इस मामले में 5 और युवतियां शिकायत दर्ज कराने सामने आई हैं. दिसंबर महीने में यह मामला सामने आया था कि फिल्मों में एक्ट्रेस बनने आईं युवतियों का फिल्मांकन और प्रसारण कोठा नाम के ऐप पर किया जा रहा था. देश के अलग-अलग हिस्सों से युवतियां सिनेमा में काम करने के लिए मुंबई आती हैं। वर्तमान में, ये युवतियां विभिन्न ऐप्स के माध्यम से प्रसारित होने वाली लघु फिल्मों और बेवसीरीज में काम करने की कोशिश कर रही हैं। ऐसी ही युवतियों की जासूसी और यौन

शोषण का एक मामला पिछले साल दिसंबर में क्राइम ब्रांच ने उजागर किया था। वसई में रहने वाली 18 साल की लड़की को आरोपी ने बेवसीरीज में काम दिलाने का वादा किया था। फिर उन्हें ऑडिशन के लिए अरनाला के एक रिसॉर्ट में ले जाया गया। वहां उसे यह कहकर अश्लील हरकतें करने के लिए उकसाया गया कि वह कुछ दृश्य फिल्माना चाहती है।

ये दृश्य केवल ऑडिशन का हिस्सा हैं और कहीं भी उपयोग नहीं किए जाते हैं। उनसे कहा गया था कि फिल्म इंडस्ट्री में यही करना होगा. लेकिन उनके ये सीन 'कोथा' नाम के अश्लील ऐप पर प्रसारित किए गए। उन्होंने अरनाला सागरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और धोखाधड़ी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आगे की जांच के लिए मामला अपराध शाखा 3 को स्थानांतरित कर दिया गया। इस मामले में तकनीकी जांच के बाद अनुज कुमार जयसवाल (30), सरजू कुमार विश्वकर्मा (25) और एक 33 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने जब इस मामले की जांच की तो पुलिस को जानकारी मिली कि 5 और युवतियों को इसी तरह से ठगा गया है और उनके अश्लील वीडियो कोठा ऐप पर प्रसारित किए गए हैं. पुलिस ने इन 5 युवतियों के बयान ले लिए हैं और उन्हें इस मामले में शिकायतकर्ता के साथ-साथ गवाह भी बनाया है.

CAA लागू होने के बाद नवी मुंबई में 8 बांग्लादेशी गिरफ्तार,

4 साल से बिना किसी वैध दस्तावेज के रह रहे थे आरोपी...

नवी मुंबई : महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में 8 बंग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नवी मुंबई पुलिस की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने सोमवार सुबह बेलापुर इलाके- के शाहबाज गांव में एक फ्लैट पर छापेमारी की।

सभी की उम्र 20-40 साल के बीच

एनआरआई सागरी पुलिस थाने के अधिकारी ने कहा कि छापेमारी के दौरान उन्हें फ्लैट में बांग्लादेश की पांच महिलाएं और तीन पुरुष मिले। इन सभी की उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच है। उन्होंने बताया कि ये बंग्लादेशी नागरिक पिछले चार साल से बिना किसी वैध दस्तावेज के अवैध रूप से वहां रह रहे थे। पुलिस ने कहा कि आठों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनके खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया।

संवेदनशील इलाकों में कड़ी सुरक्षा

बता दें कि उअअ को दिसंबर, 2019 में पारित किया गया था और बाद में इसे राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई थी। हालांकि, इसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इसके बाद यह कानून लागू नहीं हो सका था। अब सीएए कानून लागू होने के साथ संवेदनशील इलाकों में पुलिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

नवी मुंबई में डीजल चोर अब रिहायशी इलाकों में बोल रहे हैं धावा...

चोरी के लिए महंगी कारों का कर रहे हैं इस्तेमाल

नवी मुंबई: एमआईडीसी, जेएनपीटी एपीएमसी इलाकों में सड़क किनारे खड़े ट्रकों के डीजल टैंक से डीजल चोरी होना आम बात है। लेकिन अब कोपरखैरणे के एक रिहायशी इलाके में खड़े ट्रक के डीजल टैंक से डीजल चोरी की घटना सामने आई है. सौभाग्य से, ट्रक मालिक ने डीजल चोरों के वाहन का नंबर देख लिया और पुलिस डीजल चोरों को पकड़ने में कामयाब रही। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों के नाम जिलानी शेख और आरिफ शेख हैं. कोपरखैरणे सेक्टर 23 के रहने वाले सुभाष माने ने अपना ट्रक उसी इलाके में एक जगह खड़ा किया था। यह क्षेत्र एक शांत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है जिसके एक तरफ आवासीय क्षेत्र है और दूसरी तरफ खाड़ी तट पर एक सड़क है। 8 तारीख को शाम करीब 5:30 बजे उन्होंने माने के ट्रक के डीजल टैंक का लॉक तोड़ दिया और अंदर पाइप डालकर डीजल चोरी कर लिया. सौभाग्य से, माने ने पहले ऐसा किया, लेकिन जब तक माने चोरों के करीब पहुंचा, चोरों को भी आभास हो गया कि माने आ रहा है और भाग गए। माने को उस अर्टिगा कार का नंबर याद आ गया जिससे चोर भागे थे और उन्होंने पुलिस को सूचना दी. इस जानकारी के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक औदुम्बर पाटिल ने मामला दर्ज कर एक टीम का गठन किया. इसमें पुलिस उपनिरीक्षक दत्तात्रय वने, पुलिस कांस्टेबल औदुम्बर जाधव लहु ठाकर शामिल थे। जब उक्त टीम ने वाहन की तलाशी ली तो तकनीकी जांच में वाहन की लोकेशन का पता चल गया। वाहन का पता चलते ही चालक और उसके साथी जिलानी शेख और आरिफ शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार में 26 हजार 600 रुपए कीमत के 35 लीटर डीजल के 8 डिब्बे मिले। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक औदुम्बर पाटिल ने बताया कि साढ़े छह लाख कीमत की अर्टिगा कार जब्त कर ली गई है।

मुंबई के बोरीवली में निमार्णाधीन इमारत का हिस्सा गिर जाने से 3 श्रमिकों की मौत... 1 की हालत गंभीर

मुंबई: मुंबई के बोरीवली में मंगलवार को एक निमार्णाधीन इमारत का एक हिस्सा गिर जाने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर है अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना दोपहर करीब एक बजे सोनी वाडी इलाके में कल्पना चावला चौक पर हुई। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि निमार्णाधीन 24 मंजिला

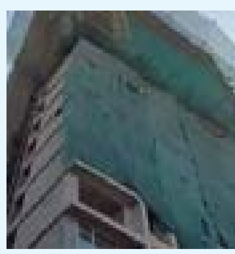

इमारत की 16वीं मंजिल पर स्थित मचान का कुछ हिस्सा गिर गया, जिससे चार श्रमिक घायल हो गए।

उन्हें कांदिवली स्थित शताब्दी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनमें से तीन श्रमिकों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि चौथे पीड़ित की हालत गंभीर है। अधिकारी ने कहा कि हादसे की सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग के कर्मी दो दमकल वाहनों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। साथ ही नगर निगम के कर्मी और पुलिस अधिकारी भी वहां पहुंचे। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

वडावली में तीन लोगों ने शराब पीकर नशे में मछली विक्रेता पर किया जानलेवा हमला...

कल्याण: कल्याण के वडवली गांव के तीन लोगों ने शराब पीकर नशे में धुत्त होकर गांव के एक मछली विक्रेता से अरवाच भाषा में गाली-गलौज की. इसके बाद तीन लोगों ने मछली विक्रेता को पकड़ लिया और उसके साथ बुरी तरह से दुर्व्यवहार किया. वडवली गांव में मंगलवार रात एक मछली विक्रेता पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या का प्रयास किया गया. गंभीर रूप से घायल मछुआरे की पहचान रूपेश अशोक साल्फे (30) के रूप में की गई है। कल्याण के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. आरोपियों के नाम

रवि उर्फ भूर्या बलराम पाटिल, गणेश मारुति पाटिल, विक्की पाटिल हैं। ये सभी ग्राम वडवली में शिकायतकर्ता रूपेश सल्फे के पड़ोस में रहते हैं। इस मामले में रूपेश ने खड़कपाड़ा थाने में शिकायत दर्ज करायी है. पुलिस ने बताया, तीनों आरोपी मंगलवार दोपहर वडवली गांव में रवि पाटिल की चौकी पर शराब पीने के लिए बैठे. वह शराब पीकर नशे में था. रवि के घर के बगल में रूपेश साल्फे का घर है. रूपेश साल्फे मछली बेचकर घर लौटा था. वे घर से बाहर आये. तभी रवि पाटिल ने रूपेश को देखा और अरवाचा भाषा में गाली देने लगा. मैंने तुम्हारे साथ कुछ नहीं किया, तुम मेरा अपमान क्यों कर रहे हो, रूपेश ने रवि से पूछा। तभी आरोपी विक्की, गणेश ने रूपेश को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया. रूपेश घर से धारदार हथियार लेकर आया और रूपेश के पेट में वार कर उसे मारने की कोशिश की. रूपेश को उसके परिवार ने तीनों आरोपियों के चंगुल से बचाया था. उन्हें तुरंत इलाज के लिए नगर पालिका के रुक्मिणीबाई अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद रूपेश को कल्याण के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com